प्रतिबिम्ब

(NEWS LETTER)

कु0 मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बादलपुर, गौतमबुद्ध नगर

NAAC Accredited -B(2.16) ISO 9001-2015 Certified

KMGGPGC

स्थापना वर्ष-1997

VOL.2 / ISSUE 1 /JULY. 2019–SEP. 2019

From The Principal's Desk

Greetings to you all.....

They say time flies and when you realize that it's already been a year since we started with the publication of the college newsletter, you are actually left wondering about the speed at which time travels! The new session of 2019-20 is upon us, so let me at the very outset, welcome you all, with the promise of beginning a fruitful journey together–more fulfilling, more enjoyable and more knowledgeable than the one before. I value your positive energy and dedication to excellence in education and look forward to working with you all!

Each year brings positive changes, which includes a few additions to our staff. We are delighted to welcome our two new B.Voc. (temporary) faculty members, Dr. Azad Alam Siddiqui (MMDT) and Dr. Vaibhav Bhatt (ATHM).

Preparations are on in full swing for the upcoming NAAC accreditation (2nd cycle) and the teaching and non teaching staff are gearing up for it with full devotion. For further incremental progress, the subsequent issues of the newsletter will keep you posted.

All my best wishes to the publishing team.....

Principal

एन.सी.सी. व एन.एस.एस. इकाईयों द्वारा साइकिल रैली का आयोजन

महाविद्यालय में 11 जुलाई को पर्यावरण संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से एन.सी.सी. व एन.एस.एस. इकाईयों के द्वारा साइकिल रैली का आयोजन किया गया। गाजियाबाद की 13 यूपी गर्ल्स बटालियन के निर्देशन में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक इस पुनीत कार्य में सहभागिता की। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ द्वारा झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया गया। लेफ्टिनेंट डॉ. मीनाक्षी लोहानी के नेतृत्व में साइकिल रैली महाविद्यालय परिसर से बादलपुर ग्राम तक निकाली गई। रैली में छात्राओं ने ग्रामीणों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए उन्हें इसके प्रति जागरूक किया। इस अवसर पर एन.एस.एस. प्रभारी डॉ. शिल्पी एवं डॉ. नेहा ने भी ग्राम्यजनों को पर्यावरण के प्रति सचेत किया। रैली के समापन पर ग्राम प्रतिनिधि ने महाविद्यालय प्रबंधन को धन्यवाद व्यक्त किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक एवं कर्मचारी गण उपस्थित थे।

स्वच्छ एवं हरित परिसर अभियान का आयोजन

महाविद्यालय में 12 जुलाई को वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम चलाया गया तथा स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत मिशन में सहयोग कर अपनी भागीदारी सुनिश्चित की। सर्वप्रथम महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ द्वारा अनार के पौधे का रोपण किया गया। जिसमें महाविद्यालय की एन.एस.एस. व एन.सी.सी. तथा रेंजर्स छात्राओं ने सहयोग व श्रमदान किया। महाविद्यालय के प्राध्यापकगणों के सहयोग से नींबू, पीपल, नीम, अनार व गुड़हल के 50 पौधे रोपे गए। प्राचार्या महोदया ने छात्राओं को वृक्षारोपण के महत्व से परिचित कराते हुए महाविद्यालय परिसर को स्वच्छ रखने हेतु प्रेरित किया। तत्पश्चात स्वयंसेवी छात्राओं ने परिसर के सूखे पत्ते इत्यादि जैविक अवशिष्ट को कम्पोस्ट पिट में डालकर कूड़े का उचित निस्तारण किया तथा महाविद्यालय परिसर को स्वच्छ एवं हरित रखने की शपथ ली।

सम्पादिका की कलम से

मानव और मानवीयता का अन्योन्याश्रित सम्बध है। व्यक्ति के जीवन मूल्य, आन्तरिक सौन्दर्य, सदगुण तथा मानवीय गरिमा उसे सच्चे अर्थो में मानव बनाते है और ये मानवीय गुण सही शिक्षा के माध्यम से प्रस्फुटित होते है। जो शिक्षा पूर्वाग्रह विहीन होकर आत्म अवधान की क्षमता जाग्रत करके मानव को उसके वास्तविक जीवन मूल्यों के अन्वेषण में सहायता करती है, वही सच्ची शिक्षा है। वर्तमान समय में शिक्षा मूल्योन्मुखी होने के स्थान पर व्यवसायोन्मुखी बनती जा रही है। महत्वाकांक्षा, प्रतिद्वन्द्विता, ईर्ष्या व अनुकरण की धुरी पर घूमने वाली शिक्षा व्यवस्था मनुष्य के जीवन में प्रेम, करूणा, सहिष्णुता, सुख एवं शान्ति उत्पन्न करने में सामर्थ्यहीन है, जिस कारण आज छात्र-छात्राओं में आन्तरिक सौन्दर्य नष्ट होता जा रहा है। सन्तुलन ही सुन्दरता है, इस तथ्य को आत्मसात करते हुए कु.मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय बादलपुर में सन्तुलनवादी शिक्षा पर बल दिया जाता है।

'' आशा हि परमं ज्योति'' के आशावादी भाव को केन्द्र में रखकर महाविद्यालय छात्राओं के सर्वपक्षीय विकास हेतु कटिबद्ध है। अतः सत्रारम्भ से ही शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को अधिक रोचक, प्रभावशाली एवं मूल्योन्मुखी बनाने के उद्देश्य से बहुविध शिक्षण सहगामी क्रियाओं का आयोजन किया गया। जुलाई माह से लेकर सितम्बर माह तक की इन्ही शैक्षणिक, सांस्कृतिक, सामाजिक-राष्ट्रीय दायित्वों के निर्वहन सम्बंधी विभिन्न गतिविधियों का प्रतिबिम्ब आपके सम्मुख प्रस्तुत करते हुए ''विश्वदानी सुमनसःस्याम, पश्येम तु सूर्यमुच्चरन्तम्'' जैसे सकारात्मक भावों की साक्षात, अनुभूति हो रही है। सर्वमङ्गलमस्तु की कामना के साथ...

डॉ. दीप्ति वाजपेयी

भूजल सप्ताह का आयोजन

महाविद्यालय के भूगोल विभाग में दिनांक 16 जुलाई से मनाये जा रहे भूजल सप्ताह का दिनांक 22 जुलाई को समापन किया गया। समापन सत्र की अध्यक्षता संस्था की प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ द्वारा की गई जहां उन्होंने भूजल सप्ताह के अवसर पर आयोजित भिन्न-भिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किये। कार्यक्रम संयोजिका डॉ. मीनाक्षी लोहनी ने सभागार में साप्ताहिक रिपोर्ट प्रस्तुत की, जहां उन्होंने बताया कि भूजल सप्ताह का शुभारंभ दिनांक 16 जुलाई को प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ जी के द्वारा वृक्षारोपण के उपरान्त विशाल जनजागरण रैली के साथ किया गया था। उक्त क्रम में दिनांक 17 जुलाई को कार्यक्रम संयोजिका व विभागाध्यक्ष डॉ. मीनाक्षी लोहनी द्वारा ''भूजल आज और कल'' शीर्षक पर सारगर्भित और जीवन्त व्याख्यान दिया गया। इस अवसर पर उनके द्वारा छात्राओं से भविष्य में जल-संरक्षण के प्रयासों में तीव्रता लाने की शपथ दिलाई गई। दिनांक 18 जुलाई को आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला को डॉ. कनक कुमार के ''जल है तो कल है'' शीर्षक पर व्याख्यान ने प्रासंगिक और सार्थक बनाया। उन्होने सरल शैली में भूजल के गिरते स्तर जैसी जटिल समस्या के समाधान के सरल उपाय भी बताए। दिनांक 19 जुलाई को डॉ. निशा यादव द्वारा ''भूजल का गिरता स्तर-समस्या एवम समाधान'' शीर्षक पर शोधपत्र प्रस्तुत किया गया। उक्त क्रम में दिनांक 20 व 21 जुलाई को छात्राओं को मौखिक प्रस्तुति के अवसर के साथ-साथ अपने अपने गांवों में जाकर जनसहभागिता से वृक्षारोपण का कार्य भी किया गया। जिसके सापेक्ष छात्राओं ने व्यापक प्रयासों से कुल 156 वृक्ष लगाए। भूजल सप्ताह के अंतिम दिन समापन सत्र में भूजल समस्या पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जहां छात्राओं ने कैनवास को अपने भावों के हरे भरे रंग में रंग दिया। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कु. ज्योति नागर, द्वितीय स्थान कु. काजल नागर तथा तृतीय स्थान कु. कोमल ने प्राप्त किया। अपने समापन उद्बोधन में संस्था की प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ जी ने जल के आध्यात्मिक संदर्भो द्वारा जल को ईश्वर मानने की वैज्ञानिक परम्परा को तार्किक रूप में स्पष्ट किया। अन्त में डॉ. कनक कुमार द्वारा उपस्थित सभागार एवम मंच को धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

वाणिज्य संकाय में कैरियर काउन्सलिंग सत्र का आयोजन

महाविद्यालय के वाणिज्य संकाय में दिनांक 18.7.2019 को रोजगार एवं रोजगार परक शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से NIBF इन्स्टीट्यूट की तरफ से एक कैरियर काउन्सलिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें इन्स्टीट्यूट के ब्रॉंच मैनेजर सुशान्त कुमार ने बैंकिंग क्षेत्र में उपलब्ध सम्भावनाओं पर प्रकाश डाला। कार्यशाला में एक क्विज प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। जिसमें प्रथम स्थान पर रिंकी एवं द्वितीय स्थान पर नेहा पुण्डीर रही। विजयी छात्राओं को इन्स्टीट्यूट की तरफ से पुरस्कृत किया गया। इस कार्यक्रम में वाणिज्य संकाय की समस्त छात्राएं एवं प्राध्यापक उपस्थित थे।

अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन

महाविद्यालय में दिनांक 26 जुलाई को नवीन शैक्षिक सत्र के प्रथम वर्ष में प्रवेश लेने वाली छात्राओं हेतु अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। अभिविन्यास कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था की प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ द्वारा की गई। दीप प्रज्ज्वलन के उपरान्त विज्ञान संकाय प्रभारी डॉ. दिनेश कुमार शर्मा द्वारा विज्ञान विभाग के अन्तर्गत संचालित विषय एवम विज्ञान संकाय में संचालित गतिविधियों से छात्राओं को परिचित कराया गया। वाणिज्य संकाय प्रभारी डॉ. अरविन्द कुमार यादव द्वारा इन्दिरा गांधी मुक्त विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्र में संचालित कोर्स तथा बी.कॉम. के अनिवार्य एवम वैकल्पिक विषयों की व्यापक जानकारी दी गई। शिक्षा संकाय प्रभारी डॉ. बलराम सिंह द्वारा बी.एड. की छात्राओं को बी.एड. पाठ्यक्रम की उपयोगिता से अवगत कराया गया।कला संकाय की ओर से वरिष्ठ प्राध्यापिका डॉ. अर्चना सिंह द्वारा महाविद्यालय में संचालित विभिन्न समितियों, योजनाओं एवं गतिविधियों की व्यापक जानकारी उपलब्ध कराई गई साथ ही समस्त प्राध्यापकों का छात्राओं से परिचय कराया। अपने अध्यक्षीय संबोधन में प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ ने छात्राओं का महाविद्यालय में स्वागत किया और उनको उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। अभिविन्यास कार्यक्रम में मंच संचालन डॉ. अर्चना सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर सभी शिक्षकों की उपस्थिति सराहनीय रही।

निदानात्मक परीक्षण निर्माण एवम उपचारात्मक शिक्षण विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

महाविद्यालय के शिक्षक-शिक्षा विभाग में निदानात्मक परीक्षण निर्माण एवम उपचारत्मक शिक्षण विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता संस्था की प्राचार्या प्रोफेसर (डॉ.) दिव्या नाथ द्वारा की गई तथा मुख्य अतिथि एवम मुख्य वक्ता के रूप में भारत के श्रेष्ठ शिक्षाविद् प्रोफेसर (डॉ.) ए.बी. भटनागर की उपस्थिति में कार्यशाला को भव्य एवं व्यापक स्वरूप प्रदान किया। कार्यशाला का प्रारम्भ माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। जिसके बाद कार्यशाला के प्रथम सत्र में डॉ. ए.बी. भटनागर ने प्रतिभागी शिक्षकों एवम छात्राओं को उपलब्धि-परीक्षण निर्माण की प्रमापीकृत विधि से परिचित कराया तथा द्वितीय सत्र में निदानात्मक परीक्षण की प्रासंगिकता, उसके निर्माण के वैज्ञानिक सिद्धान्त तथा निर्माण की विश्वसनीय व वैध विधि को प्रस्तुत किया। उक्त सत्र में शिक्षकों एवं छात्राओं के प्रश्नों के उत्तर भी दिए गए तथा तथ्यात्मक जिज्ञासाओं को शान्त किया गया। समापन सत्र में उपचारात्मक शिक्षण के सैद्धान्तिक उद्देश्यों की व्याख्या के साथ उपचारात्मक शिक्षण विधि का प्रदर्शन भी करके दिखाया गया। अपने अध्यक्षीय संबोधन में संस्था की प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ द्वारा वैदिक एवम सनातन शिक्षा व्यवस्था की वर्तमान परिपेक्ष्य में वैज्ञानिक एवम तार्किक उपादेयता को स्पष्ट किया गया। प्राचार्या द्वारा शिक्षा को मूल्य आधारित किये जाने पर जोर दिया गया। शिक्षक-शिक्षा विभाग के प्रभारी डॉ. बलराम सिंह द्वारा उपस्थित सभागार को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार के समस्त शिक्षक सदस्यों की उपस्थिति, प्रतिभाग एवम सहयोग ने कार्यशाला को सफल बनाया।

वृहद् वृक्षारोपण कार्यक्रम

महाविद्यालय में दिनांक 9 अगस्त को उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश शासन के आदेश के अनुपालन में वृहद वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। इस अवसर पर अभियान का नेतृत्व प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ द्वारा किया गया। उन्होंने छात्राओं एवं शिक्षकवर्ग को पर्यावरण संरक्षण व संवर्धन की शपथ दिलाते हुए पर्यावरण के प्रति जागरूक किया। इस दिन प्रातः 10:00 बजे प्राचार्या, प्राध्यापक, छात्राएं, ग्राम विकास अधिकारी श्री प्रमोद भाटी, ADO पंचायत विधि शर्मा, ग्राम प्रधान श्री विजय पाल व ग्रामीणजनों ने मिलकर महाविद्यालय परिसर, सादोपुर मंदिर व बादलपुर हैलीपैड के आस पास पौधारोपण का कार्य सम्पन्न किया। इस क्रम में महाविद्यालय के विभिन्न विभागों की छात्राओं को पर्यावरण अम्बेसडर चयनित किया गया तथा उन्हें अमरूद, गुलमोहर, नीम, सहजन, अशोक, आंवला, अमलतास, आम इत्यादि के पौधे वितरित किये। उन पौधों को छात्राओं ने ग्राम बादलपुर के विभिन्न स्थलों पर रोपित किया। पौधारोपण कार्यक्रम के अंतर्गत कुल 575 वृक्ष रोपित किये गए।

स्वतन्त्रता दिवस समारोह

महाविद्यालय में 15 अगस्त को स्वतंत्र भारत का तेहत्तरवां स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था की प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ द्वारा की गई। कार्यक्रम के प्रारम्भिक चरण में संस्था की प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर उपस्थित शिक्षकों व छात्राओं द्वारा गाये गए राष्ट्रगान के मधुर स्वर के बीच लेफ्टिनेंट (डॉ.) मीनाक्षी लोहनी के नेतृत्व में एन.सी.सी. की कैडेट्स द्वारा राष्ट्रीय-ध्वज को विधिवत सलामी दी गयी। कार्यक्रम के द्वितीय चरण में महाविद्यालय के वरिष्ठ प्रवक्ता डॉ. दिनेश चन्द्र शर्मा द्वारा निदेशिका, उच्च शिक्षा (उत्तर प्रदेश) श्रीमती डॉ. वंदना शर्मा द्वारा जारी संदेश का वाचन किया गया, जिसमें उच्च शिक्षा के संबंध में शासन की गत उपलब्धियों एवम भावी योजनाओं को प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के तृतीय चरण में संगीत प्रभारी डॉ. बबली अरूण के निर्देशन में छात्राओं ने राष्ट्रप्रेम के भाव से ओत प्रोत कार्यक्रम प्रस्तुत किये। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रश्मि द्वारा किया गया। इस अवसर पर छात्राओं के लिए मिष्ठान वितरण किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी वर्ग और छात्रायें उपस्थित थी।

प्रौढ़ शिक्षा अभियान

महाविद्यालय में तेहत्तरवें स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ के निर्देशन में शिक्षक-शिक्षा विभाग द्वारा जन सहभागिता कार्यक्रम के अंतर्गत ग्राम पंचायत बादलपुर में वर्ष भर चलने वाले प्रौढ़ शिक्षा अभियान की शुरूआत की गई। प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम का मूल वाक्य है-अज्ञानता से आजादी। कार्यक्रम का शुभारंभ ग्राम पंचायत बादलपुर के गाम वासियों के मध्य किया गया, जहां सैकड़ों की संख्या में उपस्थित महिलाओं ने महाविद्यालय के इस सामाजिक प्रयास की सराहना की तथा सभी ने शपथ ली कि इस प्रयास के द्वारा अज्ञानता से आजादी लेकर रहेंगे। बी.एड. विभाग की छात्राओं ने घर-घर जाकर महिलाओं एवं गृहणियों को कार्यक्रम हेतु आमंत्रित किया तथा अपने प्रयास के विभिन्न आयामों से उनको अवगत कराया। अज्ञानता से आजादी कार्यक्रम में अपने संबोधन में प्राचार्या ने समाज शिक्षा के लिए संस्था के निश्चय और प्रयासों से सभी को अवगत कराया तथा ग्रामीणों को अज्ञानता से आजादी का आश्वासन दिया। इस अवसर पर बी.एड. विभाग के शिक्षकों सहित महाविद्यालय प्रशासन का सहयोग सराहनीय रहा।

कैरियर काउन्सलिंग अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन

महाविद्यालय कैरियर काउन्सलिंग प्रकोष्ठ व कौशल विकास के क्षेत्र में कार्यरत स्वयंसेवी संगठन मेधा के संयुक्त सौजन्य से महाविद्यालय में दिनांक 21 अगस्त को रोजगार एवम प्रशिक्षण के क्षेत्र में गत एक वर्ष की उपलब्धियों के सापेक्ष प्रमाण पत्र वितरण एवम नवीन छात्राओं हेतु अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ संस्था की प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। जिसके बाद कु. दीपाली गोयल ने मेधा व महाविद्यालय के संयुक्त प्रयासों से सभागार को परिचित कराया। मेधा फाउंडेशन की एरिया मैनेजर शिवांगी त्रिपाठी ने गत वर्ष की उपलब्धियों, वर्तमान योजनाओं व भविष्य की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए महाविद्यालय प्रशासन के प्रयासों एवम नेतृत्व की सराहना तथा छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना की। पुरस्कार वितरण की श्रृंखला में प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ जी ने गत वर्ष की प्रशिक्षित एवम सफल छात्राओं को प्रमाण पत्र प्रदान किये। कैरियर काउंसलिंग प्रकोष्ठ की समन्वयक डॉ. आशा रानी द्वारा छात्राओं के व्यवसायिक उन्नयन की संभावनाओं एवम अवसरों से सभागार को अवगत कराया गया तथा प्रकोष्ठ सदस्य डॉ. सत्यन्त कुमार द्वारा अपने विस्तृत वक्तव्य में भावी योजनाओं के सफल होने में कम्प्यूटर के ज्ञान की प्रासंगिकता पर बल दिया गया। समापन सत्र में मेधा फाउंडेशन के संयोजक श्री सिद्धार्थ द्वारा केन्द्रीय सरकार द्वारा चलाई जा रही कौशल विकास की विभिन्न एवम बहुआयामी योजनाओं से उपस्थित जन समूह को अवगत कराया तथा उनका लाभ कैसे लिया जाए ये भी स्पष्ट किया। अपने अध्यक्षीय संबोधन में प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के शब्दों का स्मरण करते हुए कहा कि गांधी जी के अनुसार शिक्षा को रोजगार के प्रति गारंटी के रूप में होना चाहिए। अतः उच्च शिक्षा के इस उद्देश्य की प्राप्ति में हमारा महाविद्यालय निरंतर प्रयासरत रहा है और भविष्य में भी और व्यापक रूप से प्रयास करता रहेगा। साथ ही साथ छात्राओं को स्वावलंबी बनने हेतु अभिप्रेरित करते हुए नवीन छात्राओं को शुभकामनाएं प्रेषित की। कार्यशाला के समापन सत्र में डॉ. शिल्पी द्वारा मंच एवम उपस्थित प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। इस अवसर पर कैरियर काउंसलिंग प्रकोष्ठ की सदस्या डॉ. मीनाक्षी लोहनी एवम डॉ. सीमा देवी सहित महाविद्यालय परिवार के समस्त सदस्यों की उपस्थिति एवम सहयोग सराहनीय रहा। 16 सितम्बर 2019 को मेधा के लिए 2 बैच में 70 छात्रायें चयनित की गई। 27 सितम्बर 2019 को पुरातन छात्रा सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमे मि. उत्कर्ष ने विविध रोजगार के अवसरों की जानकारी दी। उल्लेखनीय है कि उपर्युक्त रोजगारपरक कक्षाओं में समूह गतिविधियाँ, साक्षात्कार, बायोडाटा निर्माण और नेतृत्व सम्बन्धी गुणों के संवर्धन का प्रशिक्षण दिया जाता है।

राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन

महाविद्यालय में दिनांक 29.08.2019 को शारीरिक शिक्षा विभाग के द्वारा महाविद्यालय में कार्यरत एन.सी.सी., एन.एस.एस. एवं रेंजर्स इकाईयों के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में सर्वप्रथम महाविद्यालय परिवार के समस्त सदस्यों को विभिन्न स्मार्ट कक्षों में देश के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा प्रेरित फिट इण्डिया मूवमेंट तथा राष्ट्रीय खेल दिवस के शुभारंभ का दूरदर्शन के माध्यम से सजीव प्रसारण दिखाया गया। तत्पश्चात शारीरिक शिक्षा विभाग के प्राध्यापक डॉ. सत्यन्त कुमार द्वारा फिजिकल फिटनेस एवं कार्डियक फिटनेस विषय पर प्रकाश डाला गया।

महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा उक्त अवसर पर वैश्विक परिवेश में योग की महत्ता विषय पर विभिन्न व्याख्यान दिये गए। तदुपरान्त महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ द्वारा उत्साह वर्धक शब्दों द्वारा महाविद्यालय की छात्राओं को स्वास्थ्य के महत्व के विषय में बताते हुए फिट इण्डिया मूवमेंट की आवश्यकता पर बल दिया गया। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए महाविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रभारी डॉ. धीरज कुमार द्वारा समस्त सदस्यों को फिटनेस शपथ दिलाई गई। इसी क्रम में छात्राओं द्वारा टेबिल टेनिस, जिम्नेजियम, बैडमिंटन, योगा एवम कैरम से सम्बन्धित विभिन्न गतिविधियों में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया गया। इसके पश्चात महाविद्यालय परिवार के समस्त प्राध्यापकों, छात्राओं एवम कर्मचारी वर्ग ने प्राचार्या महोदया की अगुवाई में ग्राम बादलपुर में पांच किमी की पैदल यात्रा में प्रतिभाग करते हुए अपने जीवन में स्वास्थ्य सम्बंधी गतिविधियों को अपनाने का निश्चय किया, साथ ही ग्राम वासियों को फिटनेंस के प्रति जागरूक करते हुए प्रतिदिन आधा घंटा योग करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अन्त में डॉ. अरविन्द कुमार यादव द्वारा संतुलित आहार के प्रतीकात्मक रूप में छात्राओं एवं प्राध्यापको के मध्य फलों का वितरण किया गया।

अन्तर्राष्ट्रीय पोषण सप्ताह का आयोजन

महाविद्यालय में गृह विज्ञान विभाग एवम एन.एस.एस. इकाईयों के संयुक्त सौजन्य से दिनांक 01 सितंबर से 07 सितंबर तक अन्तर्राष्ट्रीय पोषण सप्ताह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दिनांक 02 सितंबर 2019 को संस्था के विशाल सभागार में हुआ। इस अवसर पर दीप प्रज्ज्वलन के उपरान्त प्राचार्या ने अपने संबोधन में स्वास्थ्य एवम पोषण के सकारात्मक सहसम्बन्ध को स्पष्ट किया। दिनांक 03 सितंबर 2019 को संस्था में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। जहां प्रतिभागी छात्राओं द्वारा पोषण एवम स्वास्थ्य विषय को केन्द्रित कर अपने भावों को चित्रात्मक अभिव्यक्ति प्रदान की गई। उक्त के अतिरिक्त गृह विज्ञान विभाग की वरिष्ठ प्रवक्ता डॉ. शिल्पी द्वारा पोषण से स्वास्थ्य विषय पर सारगर्भित व्याख्यान दिया गया। आयोजन के अगले पड़ाव में दिनांक 04 सितंबर 2019 को ग्राम पंचायत बादलपुर में ग्रामवासियों के हित में जन सेवा भाव से स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अम्बुजा सीमेन्ट फाउंडेशन के डॉ. मोहसीन (नवीन हॉस्पिटल ग्रेटर नोएडा) ने ग्रामवासियों की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का निदान कर उनका उपचार किया । दिनांक 05 सितंबर 2019 को महाविद्यालय की एन.एस.एस. की छात्राओं के नेतृत्व में संस्था से ग्राम बादलपुर तक विशाल रैली निकाली गई जिसको संस्था की प्राचार्या द्वारा हरी झंडी दिखाकर विदा किया गया। रैली के अन्तर्गत छात्राओं द्वारा स्वनिर्मित पोस्टरों से जनजागरण हेतु घर-घर जाकर पोषण एवम स्वास्थ्य के निर्धारकों को ग्रामीणों को समझाया गया। दिनांक 06 सितंबर 2019 को छात्राओं को बहुद्देशीय हॉल में स्वास्थ्य एवम पोषण संबंधी कारको को स्पष्ट करती डॉक्यूमेंट्री दिखाई गई। अन्तर्राष्ट्रीय पोषण सप्ताह का समापन दिनांक 07 सितंबर 2019 को महाविद्यालय सभागार में हुआ। जहां समापन समारोह में डॉ माधुरी पाल द्वारा सप्ताह की कार्यवाही की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई । अपने अध्यक्षीय संबोधन में प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ ने सप्ताह भर छात्राओं के प्रयासों एवं कार्यक्रम के सकारात्मक परिणामों की उन्मुक्त भाव से सराहना की। इस अवसर पर गृह विज्ञान विभाग की डॉ. माधुरी पाल, डा. शिल्पी तथा एन.एस.एस. इकाई के समस्त सदस्यों सहित महाविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को सफल बनाया।

निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन

महाविद्यालय में अम्बुजा सीमेन्ट दादरी और महाविद्यालय की प्राथमिक चिकित्सा समिति के संयुक्त तत्वावधान में महाविद्यालय के प्राथमिक चिकित्सा कक्ष में 4 सितंबर को स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में 100 से अधिक छात्राओं एवं ग्रामीणों ने डॉक्टर मोहसिन बेग, नवीन हॉस्पिटल, ग्रेटर नोएडा द्वारा अपने स्वास्थ्य की जांच कराई। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ द्वारा कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया तथा प्राथमिक चिकित्सा समिति प्रभारी डॉ. शिवानी वर्मा एवम समन्वयक डॉ. आशा रानी ने समिति के सदस्यों डॉ. ऋचा, डॉ. निशा यादव, डॉ. मणि अरोड़ा के सहयोग से कार्यक्रम को सुचारू रूप से संपन्न कराया। महाविद्यालय की मेडिकल लैब एवं डाइग्नोस्टिक टेक्नोलॉजी की छात्राओं ने स्वास्थ्य शिविर में उत्साह के साथ सहयोग किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक उपस्थित थे। बादलपुर के ग्रामीणों ने शिविर के आयोजन के लिए प्राचार्या के प्रयासों की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन

महाविद्यालय में दिनांक 5 सितंबर को बी.एड. की छात्राओं द्वारा शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम शासन के आदेश के अनुपालन में लोकभवन, उत्तर प्रदेश, लखनऊ स्थित ऑडिटोरियम में आयोजित शिक्षक सम्मान कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा गया। तत्पश्चात प्राचार्या द्वारा माँ सरस्वती एवं सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण के उपरान्त छात्राओं ने शिक्षकों को रोली लगाकर तथा पुष्प प्रदान कर उनका सम्मान किया। कार्यक्रम को उल्लासपूर्ण बनाते हुए छात्राओं ने शिक्षकों की महत्ता बताने वाले गीत एवं लघु नाटिका इत्यादि अन्य कार्यक्रम प्रस्तुत किये। अंत में महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ द्वारा अपने महाविद्यालय के समस्त शिक्षकों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं प्रदान की। साथ ही सभागार में उपस्थित छात्राओं को समाज की दशा के अनुरूप सकारात्मक दिशा देने को प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. संजीव कुमार द्वारा किया गया तथा बी.एड. प्रभारी डॉ. बलराम सिंह ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया। सभागार में समस्त शिक्षकों एवं छात्राओं की उपस्थिति ने कार्यक्रम को सार्थकता प्रदान की।

महिला प्रकोष्ठ अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन

महाविद्यालय में दिनांक 6 सितंबर को महिला प्रकोष्ठ के अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ जी द्वारा की गई। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. अपर्णा कुलश्रेष्ठ, एसोसिएट प्रोफेसर लॉ, एम.एम. एच. कॉलेज गाजियाबाद ने अपनी उपस्थिति प्रदान की। कार्यक्रम का प्रारम्भ माँ सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। तदुपरान्त मुख्य वक्ता डॉ. अपर्णा ने महिला उत्पीड़न से संबंधित विभिन्न कानूनों का विस्तृत ज्ञान प्रदान किया। इसके पश्चात समाजशास्त्र विभाग प्रभारी डॉ. सुशीला द्वारा हेल्पलाइन नं. 1090 तथा उत्तर प्रदेश सरकार की नई पहल UPCOP के विषय में छात्राओं को उपयोगी जानकारी उपलब्ध कराई गई। तदुपरान्त कला,वाणिज्य, विज्ञान व बी.एड. संकायों से दो-दो छात्रा प्रतिनिधियों का चयन किया गया, जो सत्र पर्यन्त छात्राओं की समस्याओं से समिति को अवगत करेगी। कार्यक्रम का संचालन महिला प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. अर्चना सिंह द्वारा किया गया तथा डॉ. मणि अरोडा द्वारा सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया गया। कार्यक्रम के आयोजन में समिति के अन्य सदस्य डॉ. दीप्ति वाजपेयी, डॉ. प्रतिभा तोमर, डॉ. विनीता सिंह का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

IQAC की प्रथम बैठक सम्पन्न

महाविद्यालय में दिनांक 7 सितंबर को आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की प्रथम बैठक आयोजित की गई। बैठक में IQAC के मानक गठन के अनुरूप अकादमिक प्रतिनिधि के रूप में डॉ. विनोद कुमार शनवाल, विभागाध्यक्ष (शिक्षा एवं प्रशिक्षण विभाग) गौतमबुद्धनगर विश्वविद्यालय, जन प्रतिनिधि के रूप में श्री अशोक नागर, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि, औद्योगिक प्रतिनिधि के रूप में मिस नीलम अम्बुजा सीमेन्ट, NGO प्रतिनिधि के रूप में मिस नरगिस गुप्ता, लाइंस क्लब तथा रोटरी क्लब से आये श्री संजीव गर्ग व मनीष गर्ग, अभिभावक प्रतिनिधि श्री राम प्रकाश, श्री अजब सिंह, श्री अरविन्द सिंह, भूतपूर्व छात्रा प्रतिनिधि कु. काजोल, वर्तमान छात्रा प्रतिनिधि कु. स्वाति सिंह, कु. भावना, मुसर्रत जहां, तनु शर्मा, कु. शिवानी ने बैठक में प्रतिभाग किया। सर्वप्रथम प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ ने सभी सम्मानित प्रतिनिधियों का स्वागत किया तत्पश्चात IQAC समन्वयक डॉ. किशोर कुमार ने महाविद्यालय द्वारा किये गए कार्यों एवं उपलब्धियों की आख्या एवं आगे सम्पन्न किये जाने वाले कार्यों की रूपरेखा प्रस्तुत की। सदन में सभी प्रतिनिधियों द्वारा भावी कार्यों पर गहन विचार विमर्श किया गया तथा गुणवत्ता संवर्धन हेतु सुझाव प्रस्तुत किये गए। भावी कार्यों में अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन, भूजल संरक्षण, परिसर की स्वच्छता, छात्राओं हेतु परिवहन व्यवस्था नैक द्वितीय चरण का सफलतापूर्वक कराया जाना इत्यादि कार्यों पर विशेष बल दिया गया।

बैठक के आयोजन में समिति के सदस्यों डॉ. दिनेश चंद शर्मा, डॉ. दीप्ति वाजपेयी, डॉ. अरविन्द यादव, डॉ. विनीता सिंह का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

हिन्दी दिवस का आयोजन

महाविद्यालय में 14 सितंबर को हिन्दी दिवस के सुअवसर पर हिन्दी विभाग के सौजन्य से विराट कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कविगणों श्री राज चैतन्य जी, श्री सतीश वर्धन जी एवं श्री भुवनेश सिंघल जी ने अपनी काव्य धारा से सभी के हृदयों को आह्लादित किया। कार्यक्रम का आरंभ माँ वीणापाणि के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ द्वारा की गई। सर्वप्रथम हिन्दी दिवस के महत्ता पर प्रकाश डाला गया और ''हिन्दी जन-मन रंजन है '' इस तथ्य को मुक्त कंठ से सराहा गया। पत्पश्चात विख्यात कवि श्री भुवनेश जी ने काव्य पाठ करते हुए श्री राम के चरणों में वंदन करते हुए कहा कि राम के दीवाने बनो, प्रेम के खजाने बनों राम राम राम राम, राम गुण गाइये। कवि श्री सतीश वर्धन ने गुरू महत्व पर प्रकाश डालते हुए अपनी कविता में कहा हमें अंधकार से ले गए प्रकाश में, भानु जैसे गुरूओं का मान होना चाहिए।इसी क्रम में कविता रसधार को आगे बढ़ाते हुए कविवर श्री राज चैतन्य जी ने छात्राओं को समर्पित कविता प्रस्तुत की ''घर आंगन में चिड़ियों सी चहकती हैं बेटियाँ, बगियां की नव कलियों से महकती है बेटियाँ '' मंच संचालन करते हुए हिन्दी विभाग प्रभारी डॉ. रश्मि कुमारी ने भी आज की राजनीति पर व्यंग्य करते हुए चन्द पंक्तियां प्रस्तुत की ''बस हम ही साधु है, बाकी सब चोर है , ये सियासत का कैसा मोड है।'' कार्यक्रम के अन्त में प्राचार्या जी ने हिन्दी भाषा के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि हिन्दी हमारा गौरव है, हिन्दी हमारी मातृभाषा है, मात्र एक भाषा नहीं। अंत में डॉ. रश्मि कुमारी द्वारा सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया गया। कार्यक्रम के आयोजन में डॉ. अर्चना सिंह और डॉ. जीत सिंह का सराहनीय योगदान रहा। कार्यक्रम में महाविद्यालय की छात्रायें एवं समस्त प्राध्यापकगण उपस्थित रहे।

जल संरक्षण पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

महाविद्यालय में 17 सितंबर को जल शक्ति अभियान के अन्तर्गत भूगोल विभाग और महाविद्यालय स्वच्छता समिति के संयुक्त सौजन्य से जल संरक्षण विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अरण्य संस्था से आये डॉ. संजय कश्यप विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था की प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ जी के द्वारा माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवम माल्यार्पण के साथ हुआ। कार्यशाला के प्रथम सत्र में मुख्य अतिथि के स्वागत के उपरांत संस्था की प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ ने भारतीय पौराणिक ग्रंथों में जल को देवता के रूप में मान्यता दिये जाने के पीछे के वैज्ञानिक निहितार्थ को स्पष्ट किया। कार्यशाला के द्वितीय सत्र में डॉ. संजय कश्यप ने जल संरक्षण एवम पारम्परिक ज्ञान विषय पर अत्यन्त रूचिपूर्ण एवम सारगर्भित व्याख्यान प्रस्तुत किया तथा छात्राओं के प्रश्नों के संतोषजनक उत्तर दिए। कार्यक्रम के समापन सत्र में डॉ. नेहा त्रिपाठी ने मुख्य वक्ता एवम श्रोताओं को धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. किशोर कुमार द्वारा किया गया।

प्रसार व्याख्यान का आयोजन

महाविद्यालय में दिनांक 19 सितंबर को प्रसार व्याख्यान आयोजन समिति के तत्वावधान में छात्राओं के लिए बहुउपयोगी प्रसार व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्जवलन के साथ हुआ। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में श्रीमती कल्पना सक्सेना,आईपीएस गौतम बुद्ध नगर ने उपस्थित होकर छात्राओं को अत्यधिक प्रभावशाली तरीके से महिला सशक्तिकरण के यथार्थ स्वरूप से अवगत कराया । शिक्षा को सशक्तिकरण का मुख्य हथियार बताते हुए छात्राओं को जीवन का लक्ष्य निर्धारित करने तथा अपने पैरो पर खड़े होने की प्रेरणा दी। साथ ही उन्होंने छात्राओं की समस्याएं भी सुनी और उनके व्यवहारिक हल सुझाये। उन्होंने छात्राओं को विश्वास दिलाया कि उत्तर प्रदेश पुलिस 24 घंटे उनके साथ है और उनकी सुरक्षा हेतु कटिबद्ध है। बस लड़कियों और महिलाओं को डरना नहीं है और गलत के विरूद्ध आवाज उठानी है। इस कम में उन्होने 100 डायल, 1090 व UPCOP के विषय में भी जानकारी दी। तत्पश्चात प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ ने आईपीएस कल्पना सक्सेना के द्वारा किये गए हुए प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि अगर पुलिस इसी प्रकार सजगता एवम ईमानदारी से कार्य करती रहेगी तो अवश्य बालिकाएं एवं महिलायें स्वयं को सुरक्षित महसूस करेंगी। कार्यक्रम का संचालन समिति प्रभारी डॉ. निधि रायजादा ने किया। समिति समन्वयक

डॉ. किशोर कुमार द्वारा धन्यवाद ज्ञापन करते हुए इस तथ्य पर बल दिया गया कि समस्या के तात्कालिक व चिरकालिक दोनो प्रकार के समाधान ही समस्या से जड़ से मुक्ति दिला सकते है। कोई अपराध होने पर उस पर कितनी त्वरित और प्रभावशाली कार्यवाही हुई, यह महत्वपूर्ण है ना कि अपराध। कार्यक्रम के आयोजन में समिति के अन्य सदस्यों डॉ. ममता उपाध्याय, डॉ. अनीता सिंह, डॉ. विनीता सिंह का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर भारी संख्या में छात्राएं एवं महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक उपस्थित थे।

संस्कृत परिषद् के अन्तर्गत प्रतियोगिता का आयोजन

महाविद्यालय के संस्कृत विभाग में दिनांक 20 सितंबर को संस्कृत परिषद् के तत्वावधान में श्लोक गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में परिषद् प्रभारी डॉ. दीप्ति वाजपेयी द्वारा संस्कृत परिषद् के उद्देश्यों तथा कार्यविधि पर प्रकाश डाला गया। तत्पश्चात स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर की छात्राओं ने सस्वर श्लोक गायन को विभिन्न रूपों में प्रस्तुत किया गया। प्रतियोगिता में कु. शीतल प्रथम, कु. अपूर्वी द्वितीय तथा कु. अपूर्वा तृतीय स्थान पर रही। कार्यक्रम के अंत में डॉ. नीलम शर्मा द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया व विजयी छात्राओं को शुभकामनाएं व्यक्त की गई।

साहित्यिक – सांस्कृतिक सप्ताह का आयोजन

महाविद्यालय में साहित्यिक – सांस्कृतिक परिषद् के तत्वावधान में छात्राओं के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य के दृष्टिगत दिनांक 23 सितंबर से 30 सितंबर तक साहित्यिक–सांस्कृतिक सप्ताह का आयोजन किया गया। सम्पूर्ण सप्ताह में विभिन्न प्रतियोगितायें आयोजित हुई सप्ताह के प्रथम दिन कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर सर्वप्रथम प्राचार्या महोदया द्वारा माँ वीणामाणि के सम्मुख दीप प्रज्जवलन किया गया। तत्पश्चात साहित्यिक सांस्कृतिक समिति प्रभारी डॉ. दीप्ति वाजपेयी द्वारा कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही प्राचार्या महोदया एवं सभी प्राध्यापकों का स्वागत किया गया। इसके उपरान्त डॉ. ममता उपाध्याय एवं डॉ. सोनम शर्मा के निर्देशन व संचालन में भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। भाषण प्रतियोगिता की समाप्ति पर डॉ. अर्चना सिंह के संचालन में स्वरचित कविता प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सप्ताह के दूसरे दिन डॉ. बबली अरूण के निर्देशन में नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। सप्ताह के तीसरे व चौथे दिन रंगोली एवं मेंहदी प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसका आयोजन डॉ. शिल्पी द्वारा किया गया। सप्ताह के पाँचवें दिन गायन प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसका संचालन डॉ. बबली अरूण ने किया। साथ ही कहानी एवं निबंध प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जो डॉ. अर्चना सिंह एवं डॉ. दीप्ति वाजपेयी के निर्देशन में सम्पन्न हुई। दिनांक 30 सितंबर को साहित्यिक–सांकृतिक सप्ताह का समापन लघु नाटिका प्रतियोगिता एवं पोस्टर प्रतियोगिता के माध्यम से किया गया। लघु नाटिका प्रतियोगिता डॉ. सुशीला, डॉ. नेहा त्रिपाठी एवं डॉ. सोनम शर्मा के निर्देशन में सम्पन्न हुई तथा पोस्टर प्रतियोगिता चित्रकला विभाग प्रभारी डॉ. शालिनी तिवारी के द्वारा आयोजित की गई। साहित्यिक–सांकृतिक सप्ताह की समस्त प्रतियोगिताओं में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समापन अवसर पर प्राचार्या महोदया द्वारा समिति प्रभारी एवं समस्त सदस्यों के प्रयासों की प्रशंसा की गई। अंत में डॉ. सोनम शर्मा द्वारा सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

पं. दीनदयाल उपाध्याय जयंती का आयोजन

महाविद्यालय में दिनांक 25 सितंबर को पं. दीनदयाल उपाध्याय जयन्ती का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ द्वारा समस्त प्राध्यापकों की उपस्थिति में पं. दीनदयाल उपाध्याय जी के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित कर माल्यार्पण किया गया। तत्पश्चात उन्होंने दीनदयाल उपाध्याय जी प्रदत्त अन्त्योदय विचार धारा को सविस्तार सबके समक्ष प्रस्तुत किया तथा सभी से उनके विचारों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन समारोहिका डॉ. रश्मि कुमारी द्वारा किया गया। इस अवसर पर समस्त महाविद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

KMGGPGC

संरक्षिका
डॉ. दिव्या नाथ
(प्राचार्या)

छात्रा प्रतिनिधि-
- कु. शीतल भाटी, एम.ए. तृतीय सेमेस्टर
- कु. सुरभि द्विवेदी, एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर

सम्पादिका
डॉ. दीप्ति वाजपेयी
डॉ. मिन्तु
डॉ. नीलम शर्मा